# शिरडी में उड़े रे गुलाल

जिसने जानी साई की माया दौड़ दौड़ के शिरडी आया,
साई का देखा कमाल साई का जवाब नहीं,
शिरडी में उड़े रे गुलाल के साई का जवाब नहीं,

नर नारी सब नाम पुकारे साई ही सबके काज सवारे,
मिटते है सब जंजाल के साई का जवाब नहीं,
श्रद्धा सबुरी का मंतर निराला जो भी पी ले साई का प्याला,
सबको किया खुशहाल के साई का जवाब नहीं,
शिरडी में उड़े रे गुलाल के साई का जवाब नहीं,

तीनो लोक का साई है दाता सदगुरु साई भाग्यबिदाता,
रखता है सबका ख्याल के साई का जवाब नहीं,
शिरडी में उड़े रे गुलाल के साई का जवाब नहीं

भक्तो की आँखों के बाबा है तारे,
भक्तो का मेला साई के द्वारे दर्शन की लगाई रे कतार,
के साई का जवाब नहीं,
शिरडी में उड़े रे गुलाल के साई का जवाब नहीं

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/4693/title/shirdhi-me-ude-re-gulal-sai-ka-jawab-nhi-sai-ka-dekha-kaamal-ke-sai-ka-jwab-nhi-

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |